स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(1) फूलों से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर : फूल हमेशा खुश रहते हैं। आंधी और वर्षा को वे हंसते-हँसते सहन कर लेते हैं। उनसे हमें यह सीख मिलती है कि हम प्रत्येक स्थिति में खुश रहें। कठिन से कठिन परिस्थितियों को हम हंसते-हंसते सहन कर लें।

(2) सूरज की किरणें क्या करती है?

उत्तर : सूरज की किरणें अंधकार को दूर भगाकर सारे संसार को प्रकाशित करती है।

(3) दीपक जग को कैसे रोशन करता है?

उत्तर : दीपक अपने हृदय को जला-जलाकर जग को रोशन करता है।

(4) धरती को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए आप क्या करेंगे ?

उत्तर : धरती को स्वच्छ बनाने के लिए हम कूड़े-कचरे को इधर-उधर न डालकर कूड़ेदान में डालेंगे। धरती को सुंदर बनाने के लिए हम अधिक से-अधिकपेड़ लगाएंगे। हम बाग और फुलवारियाँ लगाने की प्रवृत्ति में सहयोग देंगे।

(5) जग में नाम कमाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर : जग में नाम कमाने के लिए हमें सदा अच्छे काम करने चाहिए, दीन - हीन लोगों की सेवा करनी चाहिए।

प्रश्न 2. आपकी कल्पना में घेरे में लिखे गए शब्द संबंधित अन्य शब्द सोचकर पंखुड़ियों में लिखिए :

उत्तर:

(1) फूल = कोमलता, सुगंध, खुशी, ताजगी

(2) चाँद = शीतलता, किरणें, आनंद, चाँदनी

(3) धरती = प्राणी, जंगल, पर्वत, सागर

(4) वृक्ष = फूल, डाल, तना, पत्तियाँ

प्रश्न 3. समान प्रासवाले शब्द पढ़िए और बोलिए:

उदाहरण : मानवता, मानवता, सज्जनता, समानता।

लंबाई, चौड़ाई, गहराई, पढ़ाई, लिखाई।

चाचा, दादा, नाना, मामा, बेटा।

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों का वचन परिवर्तन करके वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : लड़का लड़के

वाक्य : पाठशाला के सभी लड़के प्रार्थना में नियमित हैं ।

उत्तर : (1) पंखा-पंखे

वाक्य: हमारी कक्षा में दो पंखे हैं।

(2) आँख - आँखें

वाक्य : दुर्घटना में लड़के की दोनों आँखें चली गई।

(3) किताब-किताबें

वाक्य : मैंने कहानी की तीन किताबें खरीदी।

(4) पौधे-पौधे

वाक्य : हमने बाग में नए पौधे लगाए।

(5) पेन्सिल-पेन्सिल

वाक्य: ये सभी पेन्सिलें अच्छी हैं।

प्रश्न 5. काव्य-पंक्तियों को पढ़कर उसका भावार्थ लिखिए :

दीपक को देखो कैसे यह,

हरदम जलता रहता है।

अपना अंतर जला-जलाकर

रोशन जग को करता है।

आओ, हम भी इंसा बनकर

जग में अपना नाम कमाएं।

अच्छे-सच्चे काम करें और,

सारी धरती को महकाएं।

उत्तर : दीपक सदा स्वयं जलता है लेकिन हमें प्रकाश देता है। हम भी दीपक की तरह स्वयं कष्ट सहें लेकिन दुःखी लोगों का दुःख दूर कर उन्हें सुखी बनाएँ। ऐसा करनेवाले मानवों को ही यश मिलता है। दिल के सच्चे और अच्छे काम करनेवाले लोग ही दुनिया को सुंदर और सुखमय बनाते हैं।